महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

ज्ञान शांति मैत्री

प्रो. अवधेश कुमार

Prof. Avadhesh Kumar

प्रोफेसर, हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग

Professor, Hindi & Comparative Literature

संपर्क/MOBILE No: +91 9926394707

क्रमांक : 16/रा.सं.कें./अर्पित//2019-23

दिनांक : 20 अगस्त 2019

सेवा में,

प्रो. भारती गोरे

हिंदी विभाग, मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, औरंगाबाद

ईमेल - drbharatigore@gmail.com

महोदया,

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के सौजन्य से महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा में स्थापित राष्ट्रीय संसाधन केंद्र के तहत स्वयं (SWAYAM) के माध्यम से हिंदी विषय में उच्च शिक्षा संकाय के लिए ऑनलाइन **शिक्षण में वार्षिक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (अर्पित) 2019** [Annual Refresher Programme in Teaching (ARPIT) 2019] प्रारंभ किया जा रहा है जिसे ई-माध्यम के द्वारा संपन्न किया जाना है। यह स्वयं (SWAYAM) प्लेटफार्म के माध्यम से संचालित किया जायेगा। यह ऑनलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम 'रीतिकालीन हिंदी साहित्य' विषय पर केंद्रित होगा।

इस कार्यक्रम के अन्तर्गत ई-पाठों का निर्माण किया जाना है और चयनित विषयों पर विशेषज्ञों के व्याख्यान का वीडियो तैयार करना है। चूँकि पाठ और व्याख्यान मार्गदर्शन के रूप में होंगे ताकि शिक्षा में गुणात्मक परिष्कार लाया जा सके, इसलिए व्याख्यानकर्ता से यह अपेक्षा होगी कि वे संबद्ध विषय को किस तरह पढ़ाया जाय और संबंधित मुद्दों का किस तरह विवेचन किया जाय इस दृष्टि से व्याख्यान दें। साथ ही वे एक लघु खाका भी तैयार करें ताकि अन्य पाठों में दोहराव से बचा जा सके। इस प्रकार ई पाठ व व्याख्यान मुख्यतः अध्यापन की पद्धति (पेडागोजी) को समझाने वाले होंगे। हम चाहेंगे कि वीडियो रेकार्ड किया जाने वाला व्याख्यान इतना आकर्षक हो और वह अध्यापन हेतु मानक या उदाहरण जैसा हो। ई-पाठ का लिखित आलेख लगभग चार हजार शब्दों का होना चाहिए। ध्यान रहे यह आयोजन अध्यापकों को संबोध्य मानकर सम्पन्न होना है । इसके चार हिस्से होंगे-

1. **ई-ट्यूटोरियल-** पाठ सामग्री, जिसमें दृश्य-श्रव्य सामग्री शामिल होगी।
2. **ई-सामग्री-** लिखित पाठ शामिल होगा।
3. **वेब संसाधन** – संबंधित शोध आलेखों/शोध-पत्रों, विषय के ऐतिहासिक विकास क्रम से संबंधित सामग्री व अन्य लेखादि के संदर्भ हों।